HINDUSTAN PAGE 6

बीएडः महाविद्यालय स्तर पर आज से सीधे दाखिले

तैयारी

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड- 2021 में छात्र एडमिशन के प्रति रुझान नहीं दिखा रहे हैं। दो चरण की काउंसिलिंग के बाद भी एक लाख से अधिक सीटें खाली रह गई हैं। जिन्हें भरने के लिए अब मशक्कत करनी पड़ रही है। सीटों को भरने के लिए अब महाविद्यालय स्तर से सीधे दाखिला देने के लिए काउंसिलिंग सोमवार से शुरू होगी। बीएड में कुल दो लाख 25 हजार सीटें हैं।

तीसरे चरण की काउंसलिंग होगी: महाविद्यालय स्तर से शुरू होने वाली सीधे दाखिले के लिए यह तीसरे चरण की काउंसलिंग होगी। जिसे सिर्फ बीएड काउंसलिंग पोर्टल के माध्यम से ही किया जायेगा। काउंसलिंग के इस चक्र में केवल वैध स्टेट-रैंक धारक अभ्यर्थी ही सम्मिलित हो सकते हैं। इस काउंसलिंग में केवल वही अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं जिन्होंने मुख्य काउंसलिंग में प्रतिभाग नहीं किया है या मुख्य काउंसलिंग अथवा पूल काउंसलिंग में प्रतिभाग किया था लेकिन उन्हें कोई सीट आवंटित नहीं हो सकी है। इसके लिए अभ्यर्थी को रुपये 750 रुपए नॉन-रिफंडेबल शुल्क ऑनलाइन जमा करना होगा। महाविद्यालय

01 लाख से अधिक सीटें खाली रह गईं दो बार काउंसिलिंग के बाद

अल्पसंख्यक कॉलेज के लिए अतिरिक्त चरण

प्रवेश परीक्षा राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेई ने बताया कि संयुक्त प्रवेश-परीक्षा बीएड-2021 का अंतिम चरण 16 नवम्बर से प्रस्तावित है। जिसमें अभ्यर्थी अल्पसंख्यक महाविद्यालयों में प्रवेश ले सकते हैं। जो कॉलेज संयुक्त प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों की वरीयता सूची से चयन करके अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करते हैं उनके लिए प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए काउंसिलिंग का एक अतिरिक्त चक्र संचालित किया जा रहा है। अल्पसंख्यक संस्थान पहले ही अपनी गैर अल्पसंख्यक सीटों के लिए नियमित काउंसिलिंग (चक्र 1, चक्र 2, चक्र 3) में भाग ले चुके हैं। काउंसलिंग का यह चक्र केवल अल्पसंख्यक सीटों के लिए ही होगा। अगर संस्थान चाहते हैं तो इस चक्र के माध्यम से अल्पसंख्यक सीटों को भर सकते हैं। यह अनिवार्य नहीं है।

लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट से अभ्यर्थी के विवरण को सत्यापित करेगा और नियमों के अनुसार अभ्यर्थी को सीधे प्रवेश देगा। शुल्क महाविद्यालय स्तर पर ही जमा होगा।

i-NEXT PAGE 5

डीलिट में एडमिशन जनवरी से

वीसी ने एडमिशन की तैयारी के लिए सभी डीन की एक कमेटी का गठन किया

CONCEPT PIC

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (7 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी नए साल की शुरुआत में डीलिट कोर्स में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर रहा है. करीब 11 साल बाद एलयू में इस कोर्स की पढ़ाई शुरू होगी. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन अगले साल से आमंत्रित किए जाएंगे. हालांकि इस बार एडमिशन के नियमों में कुछ परिवर्तन किया गया है.

यूनिवर्सिटी में साल 2011 में बंद हुआ था कोर्स

यूनिवर्सिटी में वर्ष 2011 में डीलिट में दाखिले बंद हुए थे. एडमिशन की प्रक्रिया को लेकर सभी संकाय के डीन की एक समिति का गठन किया गया है. उन्होंने बताया कि इस बार इस कोर्स में एडमिशन के नियमों में कुछ बदलाव किया गया है. अब इस कोर्स में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स का पीएचडी होना जरूरी है.

11 साल बाद शुरू होगा कोर्स.

दीक्षांत में दिए जाएंगे 14 मेडल

लखनऊ यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह इस माह स्थापना दिवस के आसपास होगा. वीसी की घोषणा के अनुसार 64वें दीक्षांत समारोह में कुल 14 मेडल दिए जाएंगे. बाकी मेडल विभागीय स्तर पर समारोह आयोजित कर दिए जाएंगे. हालांकि गत एक वर्ष पहले तक सभी 196 मेडल दीक्षांत समारोह में ही मुख्य अतिथियों के हाथों दिए जाते रहे हैं.

मुख्य दीक्षांत में दिए जाने वाले मेडल

चांसलर गोल्ड मेडल, यह मेडल सर्वश्रेष्ठ स्टूडेंट को पढ़ाई के साथ एनसीसी, खेलकूद और सामाजिक कार्यों में बेहतर प्रदर्शन के लिए दिया जाता है. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल, वाइस चांसलर गोल्ड और सिल्वर मेडल सहित पांच फैकल्टी में दो-दो होनहार स्टूडेंट्स को 10 ब्रांज मेडल दिए जाएंगे.

डिप्लोमा कोर्सों में एडमिशन जल्द

LUCKNOW (7 Nov): लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया लगभग पूरी होने वाली है. अब डिप्लोमा कोर्सों में दाखिले होने हैं. इसके आवेदन पहले ही लिए जा चुके हैं. प्रवेश प्रक्रिया जल्द शुरू होगी.

ऑनलाइन लिये थे आवेदन

एलयू में पीजी डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और सर्टिफिकेट आफ प्रोफिसिएंसी मिलाकर करीब 58 कोर्स संचालित हैं. इनमें 27 कोर्स डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के हैं. विश्वविद्यालय ने इन कोर्सों के लिए तीन मई से सात अगस्त तक आनलाइन आवेदन लिए थे. अब इन कोर्सों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू होगी. वेबसाइट पर जारी निर्देश के मुताबिक किसी भी डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट प्रोग्राम, जिनमें 30 या उससे अधिक सीटें हैं. वह कोर्स तभी चलेगा जब उसमें न्यूनतम 20 छात्र प्रवेश लेंगे. इसके अलावा यदि किसी कोर्स में 30 या उससे कम सीटें हैं तो उनमें कम से कम 10 छात्रों के प्रवेश लेने पर कोर्स संचालित होगा.

JAGRAN CITY PAGE I

दीक्षा समारोह के मुख्य कार्यक्रम में 16 पदक देने की तैयारी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय दीक्षा समारोह में पदक वितरण की व्यवस्था पिछले साल की तरह ही लागू रखेगा। समारोह के लिए 183 पदकों के मेधावी चयनित किए जाने हैं। 16 मुख्य पदक ही समारोह में देने की तैयारी है। अन्य पदकों का वितरण विभाग स्तर पर होगा। इसके अलावा डिग्री भी घर के पते पर भेजने की तैयारी की जा रही है।

दीक्षा समारोह 21 से 25 नवंबर के बीच में ही कराने की तैयारी है। परीक्षा नियंत्रक, लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि समारोह के लिए तीन प्रमुख पदक के चयन के लिए प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। इनमें वाइस चांसलर गोल्ड मेडल इन बेस्ट एनसीसी कैडेट, चांसलर गोल्ड मेडल और चक्रवर्ती गोल्ड मेडल शामिल हैं। विभागों को अनिवार्य रूप से 11 नवंबर तक विद्यार्थियों के नाम का प्रस्ताव भेजने के लिए कहा गया है। परीक्षा विभाग के मुताबिक सोमवार के बाद अन्य पदकों के चयन के संबंध में भी तैयारी शुरू हो जाएगी।

AMRIT VICHAR PAGE 5

सखी फीस न जमा करने वाले छात्रों की निर्धारित सीटों पर दूसरे छात्रों को मिलेगा प्रवेश का मौका

लविवि में इसी सप्ताह पूरी की जाएगी प्रवेश प्रक्रिया

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के शैक्षिक सत्र 2021-22 की स्नातक और परास्नातक में चल रही प्रवेश प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। वहीं खाली सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया एक सप्ताह में पूरी करनी होगी।

इस संबंध में कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने दिशा निर्देश भी जारी कर दिया है। ऐसे में जिन छात्रों की सीट निर्धारित है वह अपनी तय समय में फीस जमा करने की प्रक्रिया को पूरा कर लें, अगर फीस जमा करने में चूके तो सीट रद्द भी हो सकती है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि सभी

विभागों में लगभग सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, अब उन्हीं सीटों पर प्रवेश लिया जा रहा है, जो छात्रों के नाम से निर्धारित हो गयी थी, लेकिन फीस न जमा होने के कारण अब उससे निचली मेरिट वाले छात्रों को मौका दिया जा रहा है। लेकिन ये भी प्रक्रिया इसी सप्ताह तक चलेगी, उसके बाद छात्र का कोई भी दावा मान्य नहीं किया जायेगा। प्रवेश प्र

आज अंतिम मौका

प्रवेश परीक्षा 2021 प्रवेश के अंतर्गत एमपीएड की प्रोविजनल कम्लीट मेरिट सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गयी है। एमपीएड की सीटों के सापेक्ष मेरिट एवं अभ्यर्थी के द्वारा दिए गये विकल्पों के अनुसार सीट आवंटन भी कर दिया गया है। आवंटन की सूचना अभ्यर्थी के लॉगिन पर है। चयनित अभ्यर्थियों के पास फीस जमा करने का मौका सोमवार तक है।

वेबिनार का किया गया आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. सीवी रमन की जयंती पर रविवार को भौतिकी विभाग की ओर से वेबिनार का आयोजन किया किया गया। इस मौके पर छात्र समन्वयक प्रभात सिंह ने क्वांटम कंप्यूटर और कम्प्यूटेशनल समस्याओं को हल करने की इसकी क्षमताओं के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कंप्यूटर में एक सीपीयू होता है और सुपर कंप्यूटर में एक से अधिक सीपीयू होते हैं। सुपर कंप्यूटर बाइनरी बिट्स को मेमोरी यूनिट के रूप में उपयोग करते हैं, जबकि क्वांटम कंप्यूटर क्यूबिट्स को मेमोरी यूनिट के रूप में उपयोग करते हैं। छात्र समन्वयक निवेदिता त्रिपाठी ने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी की अवधारणा और विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों पर संक्षेप में चर्चा की। वेबिनार का आयोजन डॉ नवीना वाधवानी और प्रोफेसर आर के शुक्ला द्वारा प्रोफेसर पूनम टंडन की अध्यक्षता किया गया था।

क्रिया आनलाइन मोड में है, ऐसे में पहले से सीट निर्धारित होने के बाद उसमें कोई बदलाव भी नहीं किया जा सकता है, इस स्थिति में जैसे—जैसे फीस जमा होती जायेगी, वैसे—वैसे सीटों की स्थिति पता चल सकेगी। वहीं स्नातक और परास्नातक में प्रवेश लेने वाले छात्रों के सामने आय प्रमाण पत्र के सत्यापन का मामला आज निपटेगा। कई विषयों में द्वितीय काउंसलिंग प्रक्रिया जारी है। जिसमें बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं के सामने आय प्रमाण पत्र का सत्यापन नहीं हो पा रहा है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

सीवी रमन की जयंती पर वेबिनार का आयोजन

स्वतंत्रभारत संवाददाता,लखनऊ। लखनऊ विश्विद्यालय में रविवार को नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. सी वी रमन की जयंती पर, भौतिकी विभाग और एआईएआर के सहयोग से सीजी सेल ने एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में आमंत्रित वक्ता डॉ. मोहित गौतम, जो कन्फोकल माइक्रोस्कोपी के विशेषज्ञ है, ने कॉन्फोकल रमन माइक्रोस्कोपी एडवांसमेंट एंड इट्स एप्लीकेशन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. मोहित गौतम ने कन्फोकल रमन माइक्रोस्कोपी उन्नति और रासायनिक मानचित्रण, कार्बन नैनो प्रौद्योगिकी, चिकित्सा विज्ञान, आदि जैसे क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों पर श्रोताओं को प्रबुद्ध किया। उन्होंने कन्फोकल रमन माइक्रोस्कोप सिस्टम में वर्णक्रमीय संकल्प के बारे में एक संक्षिप्त परिचय भी दिया। इसके अलावा उन्होंने कन्फोकल रमन माइक्रोस्कोपी, परमाणु बल माइक्रोस्कोपी और स्कैनिंग नियरफील्ड ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी जैसी विभिन्न इमेजिंग तकनीकों के बारे में बात की, जिसका उपयोग नैनो-कार्बन की व्यापक जांच के लिए किया जाता है। छात्र समन्वयक प्रभात सिंह ने क्वांटम कंप्यूटर और कम्प्यूटेशनल समस्याओं को हल करने की इसकी क्षमताओं के बारे में बताया। उन्होंने कंप्यूटर, सुपर कंप्यूटर और क्वांटम कंप्यूटर के बारे में संक्षेप में चर्चा की। कंप्यूटर में एक सीपीयू होता है और सुपर कंप्यूटर में एक से अधिक सीपीयू होते हैं।

सुपर कंप्यूटर बाइनरी बिट्स को मेमोरी यूनिट के रूप में उपयोग करते हैं जबकि क्वांटम कंप्यूटर क्यूबिट्स को मेमोरी यूनिट के रूप में उपयोग करते हैं। छात्र समन्वयक निवेदिता त्रिपाठी ने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी की अवधारणा और विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों पर संक्षेप में चर्चा की।

PIONEER PAGE 3

डॉ. सीवी रमन की जयंती पर व्याख्यान का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ सी वी रमन की जयंती पर रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग और एआईएआर के सहयोग से सीजी सेल ने एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में आमंत्रित वक्ता के तौर पर डॉ मोहित गौतम ने कॉन्फोकल रमन माइक्रोस्कोपी एडवांसमेंट एंड इट्स एप्लीकेशन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ मोहित गौतम ने कन्फोकल रमन माइक्रोस्कोपी उन्नति और रासायनिक मानचित्रण, कार्बन नैनो प्रौद्योगिकी, चिकित्सा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों पर श्रोताओं को प्रबुद्ध किया। उन्होंने कन्फोकल रमन माइक्रोस्कोप सिस्टम में वर्णक्रमीय संकल्प के बारे में एक संक्षिप्त परिचय भी दिया। उन्होंने कन्फोकल रमन माइक्रोस्कोपी, परमाणु बल माइक्रोस्कोपी और स्कैनिंग नियरफील्ड ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी जैसी विभिन्न इमेजिंग तकनीकों के बारे में बात की, जिसका उपयोग नैनो कार्बन की व्यापक जांच के लिए किया जाता है। छात्र समन्वयक प्रभात सिंह ने क्वांटम कंप्यूटर और कम्प्यूटेशनल समस्याओं को हल करने की इसकी क्षमताओं के बारे में बताया। उन्होंने कंप्यूटर, सुपर कंप्यूटर और क्वांटम कंप्यूटर के बारे में संक्षेप में चर्चा की। कंप्यूटर में एक सीपीयू होता है और सुपर कंप्यूटर में एक से अधिक सीपीयू होते हैं।

सुपर कंप्यूटर बाइनरी बिट्स को मेमोरी यूनिट के रूप में उपयोग करते हैं जबकि क्वांटम कंप्यूटर क्यूबिट्स को मेमोरी यूनिट के रूप में उपयोग करते हैं। छात्र समन्वयक निवेदिता त्रिपाठी ने रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी की अवधारणा और विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों पर संक्षेप में चर्चा की।

सीटों पर सीधे प्रवेश आज से

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सांकेतिक चित्र

प्रदेश भर में बीएड की रिक्त एक लाख 15 हजार सीटों पर सोमवार से सीधे दाखिले शुरू होंगे। प्रवेश उन्ही अभ्यर्थियों को मिलेगा, जो संयुक्त प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए थे और उन्हें पूर्व की काउंसलिंग के दौरान सीट एलॉट नहीं हुई थी या फिर किसी कारणवश काउंसलिंग में शामिल नहीं हो सके थे। सीधे प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को 750 काउंसलिंग शुल्क जमा करना होगा। महाविद्यालय प्रवेश के समय लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट से अभ्यर्थी के विवरण को सत्यापित करके दाखिला दे सकेंगे।

बीएड प्रवेश परीक्षा राज्य समन्वयक प्रो अमिता बाजपेयी ने बताया कि काउंसलिंग का यह तीसरा चक्र महाविद्यालय स्तर पर केवल बीएड काउंसलिंग पोर्टल के माध्यम से ही पूरा किया जाएगा। इसमें केवल वैध स्टेट रैंक धारक अभ्यर्थी ही शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि काउंसलिंग में उन्हें प्रवेश का मौका मिलेगा, जो अब तक मुख्य काउंसलिंग में शामिल न हुए हों। इसके अलावा मुख्य काउंसलिंग या पूल काउंसलिंग में शामिल होने के बाद भी उन्हें कोई सीट न आवंटित हो सकी है। महाविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट से अभ्यर्थी के विवरण को सत्यापित करके नियमानुसार प्रवेश देंगे। शुल्क महाविद्यालय स्तर पर ही जमा किया जाएगा। अभ्यर्थी का सत्यापन जेईई बीएड काउंसलिंग पोर्टल पर पंजीकृत और वैकल्पिक मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी को दर्ज करके करना होगा। वहीं 16 नवम्बर से अल्पसंख्यक कालेजों में बीएड पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए पहली बार अलग से काउंसलिंग शुरू होगी। यह दाखिले का आखिरी चरण होगा। प्रो अमिता बाजपेयी ने बताया कि कई बार अल्पसंख्यक कालेज अपनी स्वयं की परीक्षा आयोजित न करके संयुक्त प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को वरीयता सूची से चयन करके अपनी प्रक्रिया पूरी करते हैं। बाद में प्रवेश वाले छात्रों की सूची सत्यापित करने के लिए भेजते हैं। इस प्रक्रिया में काफी समय लगता है। इसलिए इसे सरल बनाने के लिए अलग से काउंसलिंग कराई जाएगी। यदि अल्पसंख्यक संस्थान चाहें तो इस काउंसलिंग से सीटें भर सकते हैं। हालांकि उनके लिए यह अनिवार्य नहीं है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में जनवरी से शुरू होंगे डीलिट में दाखिले

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 11 साल बाद फिर से डीलिट की पढ़ाई शुरू होने जा रही है। डीलिट में दाखिले की प्रक्रिया जनवरी में शुरू हो जाएगी। दाखिले को लेकर सभी डीन की कमेटी का गठन कर दिया गया है, जो ऑर्डिनेंस के अनुसार विषय और सीटों को तय करेगी। कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि सभी डीन को लेकर एडमिशन कमेटी का गठन कर दिया गया है। कमेटी ऑर्डिनेंस के अनुसार दाखिले की प्रक्रिया तय करेगी। किस विषय में डीलिट कराई जा सकती है उसमें कितनी सीटें रहेंगी इसका प्रस्ताव तैयार करेगी। सभी विषयों में डीलिट कराई जा सकती है कि नहीं, कॉलेजों की सीटों को शामिल कर सकते हैं या नहीं, पर भी विचार किया जा रहा है। कुलपति ने बताया कि दाखिले की प्रक्रिया केंद्रीयकृत रहेगी। विषय और सीटें तय होने के बाद लविवि की वेबसाइट पर दाखिले की अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

■ **पीएचडी धारक को ही प्रवेश :** लविवि के डीलिट में वही अभ्यर्थी दाखिला ले सकता है जिसने पीएचडी पूर्ण कर ली हो। पीएचडी डीलिट में दाखिले की अनिवार्य योग्यता है। 11 साल पहले तक लविवि में जब डीलिट की पढ़ाई होती थी तब गैर पीएचडी वाले अभ्यर्थियों को भी दाखिला दे दिया जाता था।